दिल्ली की चंदन नेगी और अनीसुर रहमान को अनुवाद के लिए मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित साहित्य उत्सव में 21 अनुवादकों का साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2024 के लिए चयन किया गया। साहित्य अकादमी की त्रिस्तरीय निर्णायक मंडल ने अनुवादित पुस्तकों के आधार पर देशभर से करीब 21 अनुवादकों को पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें राजधानी दिल्ली के दो अनुवादकों का नाम भी शामिल है, जिन्हें पुरस्कार दिया गया।

21 अनुवादकों का साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2024 के लिए चयन किया गया

चंदन नेगी

अनीसुर रहमान

दिल्ली की रहने वाली चंदन नेगी को पंजाबी पुस्तक तेरे लेई के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया है। वह लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उनका पंजाबी और डोगरी भाषा में बड़ा योगदान है। उन्होंने वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित उपन्यास और लघु कथाएं भी लिखी हैं। पाकिस्तान में जन्मीं चंदन नेगी का परिवार विभाजन के दौरान जम्मू आ गया और यहीं बस गया। इसके बाद वह जम्मू में भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 के युद्ध के दौरान विनाश की गवाह रही हैं और 1971 के युद्ध के दौरान अपने रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से पाकिस्तानी दुष्प्रचार का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जेएस नेगी से विवाह के बाद वह दिल्ली आ गईं और यहीं बस गईं। अनीसुर रहमान अंग्रेजी और उर्दू में द्विभाषी कवि, अनुवादक और साहित्यिक आलोचक हैं। पूर्व में नई दिल्ली में केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिलिया इस्लामिया में अंग्रेजी के प्रोफेसर और फिर उर्दू भाषा, साहित्य और संस्कृति पर दुनिया की सबसे बड़ी वेबसाइट व रेख्ता फाउंडेशन में वरिष्ठ सलाहकार के साथ उन्होंने तुलनात्मक, अनुवाद, उत्तर औपनिवेशिक और उर्दू अध्ययन के क्षेत्रों में काम किया है। प्रोफेसर रहमान अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा (2001-2002) में शास्त्री फेलो और पड्र्यू विश्वविद्यालय, यूएसए में विजिटिंग स्कालर रहे हैं। एक अकादमिक प्रशासक के रूप में उन्होंने अंग्रेजी विभाग के प्रमुख डीन, छात्र कल्याण, निदेशक, कोचिंग और कैरियर योजना केंद्र और रजिस्ट्रार के रुप में जामिया मिलिया इस्लामिया में कार्य किया है।